विशेष बच्चों को मिलेगा आधार

पुणे : विशेष बच्चों के कल्याण कार्य के लिए मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) और रिचमन्ड यूनिवर्सिटी (लंदन) के साथ गठबंधन हुआ। इसके अंतर्गत सतारा जिले में सेरेब्रल पॉल्सी (सी.पी. या मस्तिष्क पक्षाघात) से ग्रस्त बच्चों को 314 व्हीलचेयर्स, 314 कमोड चेयर्स और 100 विशेष रूप से संशोधित कुर्सियां वितरित की जायेंगी।

इस दिशा में एक कदम उठाते हुए फाऊंडेशन ने लाभार्थियों को उनके घरों पर 14 स्पेशल व्हीलचेयर्स और कमोड चेयर्स दिये। यह कार्य रिचमॉन्ड यूनिवर्सिटी, लंदन द्वारा जुटाई गई धनराशि की मदद से पूरा किया गया। शेष सी.पी. चेयर्स, व्हीलचेयर्स और कमोड चेयर्स अगले एक वर्ष में सौंपे जायेंगे। इस परियोजना की अनुमानित लागत तकरीबन 61.07 लाख रुपए है।

इस पहल के बारे में बताते हुये रितु छाब्रिया, ट्रस्टी, एम.एम.एफ. ने कहा, सातारा की जिला परिषद् द्वारा एक सर्वेक्षण कराया गया था। इस सर्वे में सतारा जिला और आस-पास के क्षेत्रों में 314 बच्चों के सेरेब्रल पॉल्सी से ग्रस्त होने का पता चला। हमने पाया कि इन बच्चों को स्कूलों और घरों में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिये एम.एम.एफ और फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज ने प्रत्येक चिन्हित बच्चे को एक व्हीलचेयर और एक कमोड चेयर दान कर इन बच्चों की मदद करने का फैसला किया।

कई बच्चे अभी भी शारीरिक असक्षमताओं के कारण स्कूल से बाहर हैं। सरकार ने हालांकि, इस समस्या का समाधान करने के लिए एजुकेशन फॉर डिसएबल्ड (आइईडी) की शुरूआत की है, लेकिन अभी भी सेरेब्रल पॉल्सी, विभिन्न अक्षमताओं, ऑर्थोपेडिकली हैंडीकैप्ड इत्यादि जैसी समस्याओं से ग्रस्त बच्चे स्कूल से बाहर हैं, क्योंकि उन्हें बैठने, सीधा खड़ा रहने, पोस्चर इत्यादि को बरकरार रखने के लिये विशेष कुर्सियों तथा उपकरणों की जरूरत होती है, जोकि बेहद महंगे होते हैं। इन विशेष बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के लिये सातारा जिला परिषद् ने सहयोग के लिये फाऊंडेशन से अनुरोध किया था।